SSLC MODEL EXAMINATION, MARCH - APRIL - 2022 HINDI ANSWER KEY

SCR - 1

1. साहिल के सामने बेला लज्जित हो गई थी।
2. वे + ने = उन्होंने
3. (ख) बेला की कॉपी में गलती पाकर माटसाब ने उसके बालों में पंजा फँसाया ।
   (ग) साहिल के सामने बेला अपमानित होना नहीं चाहती थी ।
   (ङ) साहिल की नज़र में बेला अच्छी लडकी थी ।
4.
5. टूटा पहिया को
6. जीवन की समस्याओं का
7.
8. चीज़
9. मोरपाल की गरीबी
10.
11. घर में खाना पकाने लगा।
12. दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
13.
14. पैसे बटोरने के बाद गाने की चार्ली की घोषणा
15. स्टेज पर से पैसा बटोरना था ।
16.

(क) छल्लों के बीच	मशहूर गीत शुरू किया ।
(ख) गाना रोककर	चार्ली ने घोषणा की ।
(ग) गाना आधा हुआ	पैसों की बरस हुई ।
(घ) पैसा बटोरने केलिए	मैनेजर रूमाल लेकर आया ।
(ङ) चार्ली मैनेजर के पीछे	व्याकुलता से लग गया ।

17. पानी खराब था ।
18. गंगी पानी भर लिया करती है ।
19. जोखू के गाँव में उच्च जातिवाले ठाकुर और साहू के दो कुएँ हैं । निम्न जाति के लोगों के कुएँ का पानी खराब हो गया था । निम्नजातिवाले लोगों को ठाकुर और साहू के कुएँ से पानी लेने की अनुमति नहीं है । इसलिए जोखू ने गंगी से ऐसा कहा ।
20.
21. आवाज़ मीठी थी ।
22. वह सिर्फ एक तहमद पहना था । गले में बनीयान तक नहीं थी । उसकी दाढी के ही नहीं छाती के भी बाल सफेद हो चुके थे । जब वह चप्पू चलाने लगता तो उसकी मांसपेशियाँ इस तरह हिलतीं जैसे उसमें फौलाद भरा हो ।
23.

गज़ल छेड दी ।
मल्लाह ने गज़ल छेड दी ।
मल्लाह ने **चुस्त** गज़ल छेड दी ।
बूढे मल्लाह ने चुस्त गज़ल छेड दी ।

24. कार्ड में गुठली का नाम नहीं था ।
25. दीदी की शादी के कार्ड में गुठली का नाम नहीं छपा था । इससे दुखी होकर गुठली शिकायत करने और रोने लगी । तब उसका नाम कलम से लिख जोडकर माँ ने अपना प्यार प्रकट किया ।
26.
27. महीनों के बाद घर लौटने का समय आया है ।
28. ठंड के मौसम में पहाडों के चरागाह बर्फ से ढक जाते हैं । तब अपनी जानवरों को चराने केलिए वहाँ के पशुचारक अपने जानवरों के साथ निचले इलाकों में उतरते हैं ।
29.

SCR - 2

1. दुकान में स्याही की बोतल खाली हो गई थी ।
2. यह

3. इसका मतलब है कि बरसात की संभावना देखकर पानी भरे घडे को मत ढुलाना । यहाँ साहिल ने दुकान से स्याही भरवाने के विश्वास में पैन में बची हुई स्याही ज़मीन पर छिडक दी और बाद में भरवा भी न सका । यानी आनेवाली भलाई देखकर अपने पास बची हुई किसी को तुच्छ समझकर छोड देना उचित नहीं होगा ।

4.

5. बडे-बडे महारथी अकेली निहत्थी आवाज़ को अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहते हैं ।

6. (ख) अभिमन्यु धर्म के पक्ष में रहनेवाले साधारण मनुष्य की प्रतिनिधि है ।
   (ग) टूटा पहिया ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता है ।
   (घ) महारथी शोषक का प्रतीक है ।

7.

8. वह कलाम जैसा बनना चाहता है।

9. क्योंकि छोटू हर काम अच्छी तरह से करता है । उसके हाथ से बनाई चाय में जादू है । वह जल्दी ही भाषाएँ सीख लेता है ।

10.

11. अकाल का

12.

(क) खाना पकाने कोई न जलाने से	चूल्हा रोया ।
(ख) दाना न पीसने से	चक्की उदास रही ।
(ग) चक्की और चूल्हे के पास	कानी कुतिया सोई पडी थी ।
(घ) भूख से परेशान छिपकली	इधर-उधर घूमती रही ।
(ङ) चूहे पराजित हो गई	घरों व खेतों में अनाज नहीं थे ।

13. ठाकुर द्वारा पकडे जाने के डर से।

14. गंगी गंदा पानी **पी रही है**।

15.

16. लोग तालियाँ बजाने लगे ।

17. बेटा चार्ली जनता में गुदगुदी फैलाने के कारण

18. उसने थोडी देर पहले फटी माँ की आवाज़ और उसके फुसफुसाने की भी नकल उतार दी । यह देखकरक लोगों में ठहाकों की हिस्सेदारी हुई और स्टेज पर जमकर पैसे बरसे ।

19.

20. सर्दी होने से ।

21. गज़लों में मग्न रहने से बाहर की दुनिया से वे कुछ समय से अनजान थे । गज़ल रुकते ही वे बाहर का वातावरण यानी रात, सर्दी, नाव का हिलना और झील का विस्तार महसूस करने लगे ।

22.

23. पति का घर अपना घर है ।

24. क्योंकि गुठली को पराए घर की अमानत मानकर माँ ने भी बुआ का साथ दिया

25.

26. व्यक्तिगत रूप से जानना ।

27. घायल पडे व्यक्ति को दूसरों की मदद की सख्त ज़रूरत होती है । उस व्यक्ति से संबंधित जानकारी दूसरी बात होती है । सबसे पहले उसे अस्पताल पहुँचाना चाहिए ।

28.

व्यक्ति चलता है ।
व्यक्ति कवि के साथ चलता है ।
व्यक्ति कवि के साथ **धीरे-धीरे** चलता है ।
अपरिचित व्यक्ति कवि के साथ धीरे-धीरे चलता है ।

SCR - 3

1. छत से गिर जाने के कारण।
2. उसकी अंतरंग मित्रता का
3.
4. सहसा
5. सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले
6.

7. उसके मन में दोस्ती को ऊँचा स्थान है।
8. (क) कारिंदे कलाम के ऊपर झूठे आरोप लगाते हैं।
(घ) चोरी के आरोप पर कलाम गाँव छोडकर जाता है।
(ङ) छोटू डॉ. कलाम से मिलने दिल्ली पहुँचता है।
9.
10. अकाल के बाद का
11. घर के सभी संतुष्ट हो गए।
12.
13. मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था।
14.
15. निम्न जाति के लोग।
16. ठाकुर के कुएँ का
17. (क) सारे गाँव के लोग — ठाकुर के कुएँ से पानी लेते हैं।
(ख) रात को गंगी — पानी लेने पहुँची।
(ग) गंगी का विद्रोही दिल — चोटें करने लगा।
(घ) कुएँ से बदनसीब लोग — पानी भर नहीं सकते।
(ङ) गंगी कुएँ के पास छिपकर — अवसर की प्रतीक्षा करने लगी।
18. यहाँ सारी बातें निरर्थक चल रही है।
19. दीदी पहले उसके घर को अपना घर समझती थी इसलिए वह हँसकर, गाकर मस्ती करती थी। भाई को भी अपना समझकर नकटू पुकारती थी। शादी के बाद वह अपने घर में पराई हो गई। इसलिए वह अपने व्यवहार शिष्टतापूर्वक बना देती है।
20.
21. बच्चे पढने के अवसर से वंचित हैं।
22. बच्चों के विकास के लिए उन्हें खेलने और पढने की सुविधाएँ मिलनी चाहिए। लेकिन समाज में गरीबी के कारण बहुत-से बच्चे पढने और खेलने के अवसर से वंचित रहते हैं। इनके बिना बच्चों का स्वाभाविक विकास संभव नहीं है। इसलिए सुबह-सुबह काम पर जानेवाले बच्चों को देखकर कवि चिंतित होते हैं।
23. बसंत ऋतु में
24. फूलों को न मुरझाने रिंगाल से बनी टोकरियों में रखकर रात भर पानी से भरे गागरों के ऊँपर रखा जाता है।

25.

टोलियाँ घूमती हैं।
बच्चों की टोलियाँ घूमती हैं।
बच्चों की टोलियाँ **गाँव में** घूमती हैं।
सुबह बच्चों की टोलियाँ गाँव में घूमती हैं।

26.

SCR - 4

1. बहुत नज़दीक रहकर।
2. क्योंकि उन्हें बीरबहूटियों से मिलना था।
3. (क) बेला और साहिल बारिश के मौसम में बीरबहूटियाँ खोजते थे।
(ग) बीरबहूटियाँ कतार में चलती थीं।
(घ) वे स्कूल जाते समय बीरबहूटियाँ खोजते थे।
4.
5. दुस्साहसी
6. किसी दुस्साहसी अभिमन्यु का।
7.
8. उसकी हिंदी अच्छी नहीं है।
9.
10. न जलाना
11. भोजन न मिलने से चूहों की हालत भी बहुत शोचनीय थी, दाने की तलाश में वे हार गए हैं।
12.

13. माँ की आवाज़ फट गई।
14. तब माँ **रोने लगी**।
15.
16. पानी शुद्ध हो जाता है।
17. पानी को उबाल देना
18.
19. विशाल समुद्र-तट के साथ-साथ एक लंबी यात्रा करना
20. गोआ में खुला समुद्र-तट है, एक आदिम स्पर्श लिए प्राकृतिक रमणीयता है और वहाँ जीवन बहुत सस्ता है - रहने-खाने की हर सुविधा वहाँ बहुत थोडे पैसों में प्राप्त हो सकती है।
21. (क) कन्याकुमारी के तट के प्रति — लेखक का विशेष आकर्षण था।
(ख) मोहन राकेश की इच्छा थी — समुद्र तट का सफर करें।
(ग) समय और साधन की कमी से — यात्रा न कर सके।
(घ) हाथ में पैसे आने पर — तुरंत यात्रा करने का निश्चय किया।
(ङ) रेलगाडी से होकर लेखक ने — बंबई की यात्रा शुरू की।
22. सुबह-सुबह (बडे सबेरे)
23. बच्चों का काम पर जाना
24.

बच्चे जा रहे हैं।
बच्चे सुबह जा रहे हैं।
छोटे बच्चे सुबह जा रहे हैं।
छोटे बच्चे सुबह **काम पर** जा रहे हैं।

25. मनुष्य की तरह
26. कवयित्री व्यक्ति की मदद **करेंगी**।
27.

SCR - 5

1. फुलेरा का स्कूल पाँचवीं तक ही था।
2.

साहिल रहकर पढेगा।
साहिल होस्टल में रहकर पढेगा।
साहिल होस्टल में अकेले रहकर पढेगा।
साहिल अजमेर के होस्टल में अकेले रहकर पढेगा।

3.
4. कलाम चिट्ठी लिखेगा।
5. दिल्ली जाकर डॉ. कलाम से मिलना और अपने पसंद स्कूल जाना
6.
7. बडे-बडे महारथी का
8. बडे-बडे महारथी अकेली निहत्थी आवाज़ को अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें तो
9. (क) रथ का पहिया — टूटा हुआ है।
(ख) महारथी अपने पक्ष को — असत्य जानते हैं।
(ग) टूटा पहिया ब्रह्मास्त्रों से — लोहा ले सकते हैं।
(घ) शक्तिशाली लोग असहाय लोगों को — कुचलना चाहते हैं।
(ङ) साहसी अभिमन्यु — अक्षौहिणी सेना को चुनौती देता है।
10. चार्ली की मासूमियत से प्रभावित था।
11. चार्ली की माँ अपनी आवाज़ फटने के कारण स्टेज पर गा नहीं सकती थी। विवशता से उसे स्टेज छोडना पडा। गले का दर्द बढ रही थी। उनके बदले स्टेज पर उतरे चार्ली को लोगों ने एक अच्छे कलाकार के रूप में मान लिया था। इसलिए उन्होंने ऐसा निर्णय लिया होगा।
12.
13. चूल्हा और चक्की के पास
14. अकाल के कारण घर में दाना नहीं था। इसलिए खाना पकाने कोई चूल्हा नहीं जलाता और दाना पीसने कोई चक्की के पास नहीं

आता। इस कारण दोनों अपनी निर्जीव हालत पर दुखी रही।
15.
16. गंगी निम्न जाति की मानी जाती थी।
17. गिरेगा
18.
19. बूढे मल्लाह को।
20. आप काम **करेंगे**।
21.
22. सामूहिक भोज
23. चावल,गुड,दाल आदि
24. (क) बसंत ऋतु में फूलदेई त्योहार मनाता है।
(ग) बच्चे चुने गए फूलों से घर की देहरियाँ सजाते हैं।
(घ) बडे लोग बच्चों को सलाह देते हैं।
25. मैं ने हाथ बढाया
26. किसी व्यक्ति की सहायता करने केलिए उसको व्यक्तिगत रूप से जानने की ज़रूरत नहीं है। उसकी हताशा, दुख-दर्द, विवशता, समस्या, आवश्यकता आदि को पहचानना ही असली जानना है। दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना चाहिए।
27.

SCR - 6

1. बादलों में
2. बेला की आँखें भर गईं।
3. पाँचवीं तक एक मन से हर काम लेनेवाले साहिल और बेला आगे की पढाई केलिए अलग अलग स्कूलों में भर्ती होनेवाले हैं, यानी वे बिछुड रहे हैं। इस कारण दोनों पहले की तरह कुछ कर न पाएँगे, मिल न पाएँगे। इसलिए ऐसा कहा होगा।
4.
5. नाम का पहला अक्षर मिलने की वजह से
6. (ख) मिहिर राजमा-चावल लाता था।
(ग) मोरपाल गरीबी में जीवन बिताता था।
(घ) दोनों खेलघंटी में खाने की अदला-बदली करते थे।
7.
8. सामूहिक
9. आप मुझे मत **फेंकिए**।
10. टूटा पहिया **मानवीय मूल्य** का प्रतिनिधित्व करता है। हमें किसी भी मूल्य और वस्तु को निस्सार, अनुपयोगी मानकर फेंकना नहीं चाहिए। क्योंकि पता नहीं कब समय बदले, परिस्थितियाँ विपरीत हो जाए और वह निस्सार वस्तु या मूल्य अपनेलिए सर्वाधिक उपयोगी सिद्ध हो। तुच्छ-सी लगनेवाली वस्तु भी सांत्वना देने में समर्थ हो सकती है। जब दुनिया में मानव मूल्यों का नाश होता रहेगा, तो साधारण मनुष्य इन्हीं मानव मूल्यों को समेटकर समाज की भलाई केलिए कर्मनिरत रहेगा। मानवीय मूल्यों के संरक्षण से ही संसार की उन्नति होगी।
11. क्योंकि वहाँ के दर्शकों ने जो शोर मचाया था वह अहित या हितकर नहीं था।
12. (क) गाते वक्त माँ की — आवाज़ फट गई।
(ख) आवाज़ खराब होने से — माँ स्टेज से हट गई।
(ग) अभद्र शोर से — लोग शोर मचाना लगे।
(घ) लोगों क लगा — माइक की खराबी है।
13. कुआँ दूर था, बार-बार जाना मुश्किल था।
14. जोखू निम्नजाति में जन्मा था। उस समय जातिप्रथा ज़ोरों में था। निम्नजाति के लोगों को उच्च जाति के लोगों के कुएँ से पानी लेने का अधिकार नहीं था। पीने का पानी तक उन्हें निषेध था।
15.
16. अकाल के दिन बीत जाने पर कई दिनों के बाद घर में अनाज आने से खाना पकाया गया। इसलिए घर के अंदर के चूल्हा, चक्की जैसे निर्जीव वस्तुओं और सभी जीव जंतुओं की आँखें नए जीवन आने की खुशी में चमक उठीं।
17.
18. गुठली तो एक लडकी है। घरवालों के विचार में लडकी पराए घर की अमानत है। ससुराल ही लडकी का अपना घर है। लडके

केलिए ही जन्मगृह अपना होगा। असल में यह विचार सही नहीं है।

19. खुशी से जीना

20.

गुठली हताश हो गई।
बातों से गुठली हताश हो गई।
माँ की बातों से गुठली हताश हो गई।
माँ की बातों से गुठली ज़्यादा हताश हो गई।

21.

22. वह कवि का हाथ पकडकर खडा हुआ

23. कवि और हताश व्यक्ति

24. व्यक्ति को जानना - किसीको व्यक्तिगत रूप से यानी उसके नाम, पता, उम्र, ओहदा, जाति आदि से जानना।
हताशा को जानना - किसीको उसकी हताशा,निराशा, असहायता या संकट को जानना।

25. बच्चियाँ फूल चुनने लगीं।

26. सामूहिक भोज बनाने के आयोजन में बच्चों को सलाह देना

27.

SCR - 7

1. बेला बीरबहूटियाँ **खोजने लगी**।
2. बारिश के मौसम में सुबह स्कूल जाते समय, कस्बे से सटे खेतों में
3.
4. दुरूह
5. अभिमन्यु
6. अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों कहा गया है? 2
7. मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत!
8. उसे स्कूल जाना नहीं पडेगा।
9. उसके पास का एकमात्र नया जोडा वही स्कूली यूनीफॉर्म था।
10.
11. भोजन न मिलने से अकाल में चूहों की हालत भी बहुत शोचनीय बन गयी।
12.

छिपकलियाँ गश्त लगा रही थीं।
छिपकलियाँ परेशान होकर गश्त लगा रही थीं।
छिपकलियाँ **भूख से** परेशान होकर गश्त लगा रही थीं।
छिपकलियाँ भूख से परेशान होकर **भीत पर** गश्त लगा रही थीं।

13.
14. माँ की आवाज़ फटने से।
15. पहले मैं ये पैसे बटोरूँगा और उसके बाद ही गाऊँगा
16. (क) चार्ली का गाना सुनकर लोग खुश हो गए।
(ग) चार्ली को शंका हुई कि मैनेजर पैसे लेना चाहता है।
(ङ) चार्ली ने पैसे बटोरने के बाद गाना चाहा।
17. क्योंकि वह अक्षित थी
18. अछूत होने के कारण गंगी को कुएँ से साफ पानी भरने का भी हक नहीं है। सभी अधिकार समाज में उच्च माननेवालों के पास है। गंगी को समझ में नहीं आती कि लोग कैसे श्रेष्ठ बनते हैं। यहाँ समाज की असमानता के विरुद्ध गंगी का आक्रोश ही प्रकट होता है।

19. (क) बीमार जोखू — प्यास से परेशान है।
(ख) पानी में बदबू — जानवर गिरकर मरा है।
(ग) खराब पानी से — बीमारी बढ जाएगी।
(घ) उबालने देने से — पानी शुद्ध बनता है।
20. तहमद
21. मल्लाह ने
22.

23. एक व्यक्ति को उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानना।

24. जानना शब्द की लेखक की व्याख्या अत्यंत अजीब और विशाल है। उनके मत में किसी व्यक्ति को जानने का अर्थ उसका नाम, उम्र, पता, ओहदा, जाति आदि को जानना नहीं, बल्कि उसकी हताशा, निराशा, असहायता और संकट को जानना है। किसी मुसीबत में पडे अपरिचित व्यक्ति पर कृपा दृष्टि डालकर उसकी मदद करना सच्चा मनुष्य का कर्तव्य है। मनुष्यों के बीच मनुष्यता से व्यवहार करना ही जानने का सच्चा अर्थ है।

25.

26. बच्चे खेलने के अवसर से वंचित हैं।

27. मदरसा

28.

SCR - 8

1. बेला छठी में **आ जाएगी**।

2. दोनों अलग-अलग स्कूल जाते हैं।

3. साहिल और बेला फुलेरा के जिस स्कूल में पढते हैं वह पाँचवीं तक का है। इसलिए पाँचवीं पास हुए साहिल और बेला को आगे की पढाई केलिए दूसरे स्कूल में जाना पडता है।

4.

6. गति

6. इतिहासों की सामूहिक गति सहसा झूठी पड जाने पर

7. आज के इस बदलते युग में भी इतिहास की सामूहिक गति सत्य और धर्म को छोडकर असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है। तब सत्य के पक्ष, आम जनता को अधार्मिक शक्तियों के विरोध करने में तुच्छ माननेवाले इस टूटा हआ पहिया यानी मानवीय मूल्य का सहारा लेना पडेगा। इसलिए हमें टूटा पहिया रूपी मानवीय मूल्य की उपेक्षा नहीं करना चाहिए। मुसीबत के अवसर पर अभिमन्यु केलिए टूटा पहिया कैसे उपयोगी बना उसी प्रकार आम जनता केलिए मानवीय मूल्य काम आएगा।

8. बढिया चाय है।

9. वह गरीब परिवार का लडका था।

10.

11. धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद

12.

13. दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाईं। कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर चार्ली की तारीफ की।

14. स्त्रियाँ तालियाँ बजाती रहीं।

15.

दर्शकों ने तालियाँ बजाईं।
दर्शकों ने खडे होकर तालियाँ बजाईं।
दर्शकों ने खडे होकर **खुशी से** तालियाँ बजाईं।
दर्शकों ने **देर तक** खडे होकर खुशी से तालियाँ बजाईं।

16. (क) चार्ली ने जनता को उल्लासित किया।
(ख) दर्शकों ने खडे होकर तालियाँ बजाईं।
(ग) चार्ली ने मासूमियत में माँ का अनुकरण किया।
(घ) लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर बच्चे का अभिनंदन किया।
(ङ) लोग खुश होकर स्टेज पर लगातार पैसे बरसे।

17. वे निम्न जाति के हैं।

18. रिवाज़ी पाबंदियों और मज़बूरियों के विरुद्ध

19. (क) गंगी रात को ठाकुर के कुएँ से पानी लेने जाती है।
(ग) गंगी विद्रोही औरत है।
(ङ) गंगी के विचार में ठाकुर जैसे लोग छंटे हैं।

20. दादी ने

21.

22. भयानक

23. छोटी उम्र में ही बच्चों को काम पर भिजवाने को कवि आज के समय की सबसे भयानक समस्या बताते हैं। इसलिए कवि इसे विवरण की तरह लिखना भयानक होने से सवाल की तरह लिखने की कोशिश करते हैं। बातों को सवालों की तरह लिखा जाने से

आम जनता का ध्यान इस तरफ आकर्षित हो जाएगा। समस्या को प्रस्तुत करने में समाज की ओर समस्या उठाना ही सशक्त मार्ग है।

24.

25. घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते थे।

26. उदास हो गया

27.

SCR - 9

1. बादलों में

2. आगे भी वर्षा होगी।

3.

हवाएँ घूम रही थीं।
बारिश में हवाएँ घूम रही थीं।
बारिश में **गीली** हवाएँ घूम रही थीं।
बारिश में गीली हवाएँ **तेज़ी से** घूम रही थीं।

4. (क) खेतों के ऊपर — बादल छाए हुए थे।
   (ख) गीली हवाएँ — चल रही थीं।
   (ग) पेडों के तने — पानी से गीले थे।
   (घ) मूँगफली के फूल का — रंग पीला होता है।
   (ङ) सारा आसमान — बादलों से भरा हुआ था।

5. अभिमन्यु की

6. कुचल देना

7. महाभारत युद्ध में अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी बडे-बडे महारथी मिलकर निरायुध अभिमन्यु पर आक्रमण करते हैं। अभिमन्यु के आक्रमण को वे अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचलने का प्रयास भी करते हैं। ठीक उसी प्रकार समाज के अधर्मी और अत्याचारी शोषक या शासक वर्ग अपनी इच्छा के विरुद्ध आवाज़ उठाते आम जनता पर आक्रमण करते हैं। वे आम जनता की आवाज़ को अधर्म और अत्याचारों से अर्थात् अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके कुचलने का प्रयास करते रहते हैं।

8. कलाम द्वारा लिखित भाषण स्कूल में प्रस्तुत करने से

9. प्रथम

10.

11. भीत पर

12. अकाल के कारण घर में दाना नहीं था। इसलिए खाना पकाने कोई चूल्हा नहीं जलाता और दाना पीसने कोई चक्की के पास नहीं आता। इस कारण दोनों अपनी निर्जीव हालत पर दुखी रही।

13.

14. गीत चतुर्वेदी

15. चार्ली को स्टेज पर भेजने के संबंध में

16.

17. ऊँच-नीच का भेदभाव

18. लोटे के पानी से सख्त बदबू आ रही थी। ऐसे बदबूदार पानी पीने से बीमारी बढ जाने की संभावना होने से पत्नी गंगी ने उसे वह पानी पीने न दिया था।

19.

20. ताऊजी **सीढियों पर बैठ गए**।

21. बुआ के अनुसार लडकी पराए घर की अमानत है। ससुराल (पति का घर) ही उसका अपना घर है। परिवार में लडके को मिलती स्वंतत्रता, प्यार और देख-रेख लडकी को नहीं मिलती। लडकी के साथ ऐसा भेदभाव रखना कभी उचित नहीं है। दोनों को समान मानना ही एक स्वस्थ समाज केलिए हितकर होगा।

22. (क) गुठली घरवालों केलिए पराई अमानत है।
    (ग) लडकी केलिए पति का घर अपना घर है।
    (घ) गुठली बुआ की नसीहतें पसंद नहीं करती है।

23.

24. बालश्रम

25. एकाएक

26.

27. किसी व्यक्ति को उसके व्यक्तिगत जानकारियों से जानने की
28. जानना शब्द की लेखक की व्याख्या से मैं सहमत हूँ। अकसर हम दूसरों को उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से ही जानते हैं। लेकिन सच में किसीको जानना है तो उसके दर्द और एहसास को समझना चाहिए। उसकी हताशा, असहायता, दुख और कठिनाई को जाने बिना जानना कभी पूर्ण नहीं होता।

SCR - 10

1. मुँह की ओर देखना
2. उसकी कॉपी में गलती पाकर
3. बेला जानती थी अपनी दिली दोस्त साहिल की नज़र में वह बहुत अच्छी लडकी है। उसके सामने बेला अपमानित होना नहीं चाहती थी। लेकिन माटसाब का व्यवहार साहिल की उपस्थिति में थी। इसलिए उसे शरम आया।
4.
5. अभिमन्यु के
6. सामना करना
7. चक्रव्यूह में फँसे निरायुध अभिमन्यु ने रथ के टूटे हुए पहिए से शत्रुओं के ब्रह्मास्त्रों का लोहा ले सकता है। उसी प्रकार शासक वर्ग अपने अधिकार और शक्ति के जरिए आम जनता पर अत्याचार करते समय इससे मुक्ति पाने केलिए उनको मानवीय मूल्यों का सहारा लेना पडेगा।
8. समान नाम का
9. उसने रणविजय की चीज़ों को चुरा लिया है।
10.
11. अकाल के बाद घर में खाना पकाया गया। इसलिए घर से खाने की बाकी चीज़ें बाहर फेंकने पर उसे चुगकर तेज़ी से उड जाने की तैयारी में कौआ अपनी पाँखें खुजलाया होगा। यानी कौए भी नई आशा के साथ आगे बढने केलिए तैयार हो उठते हैं।
12. आँखें चमक उठती हैं।
13. अकाल दूर होने से कई दिनों के बाद घर में दाने आए। इससे चूल्हा जलाने लगा, आँगन से ऊपर धुआँ उठने लगा। घर में रहनेवाले सभी जीवों की आँखें खुशी से चमकने लगीं। क्योंकि आज उनको खाना मिलनेवाला है।
14.
15. चार्ली को स्टेज पर लाने का मैनेजर की ज़िद।
16. माँ गीत गाने लगी।
17.
18. सबसे बुरा
19.
20. कार्ड में गुठली का नाम नहीं था।
21.

नाम कार्ड पर नहीं छपते।
छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।
घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।
घर की छोरियों के नाम **शादी के** कार्ड पर नहीं छपते।

22. गुठली के परिवार में शादी के कार्ड में वधु को छोडकर अन्य लडकियों के नाम छपवाने की परंपरा नहीं थी। पर सारे लडकों का नाम छपवाते थे। इसलिए गुठली का नाम नहीं छपवाया। ऐसा भेदभाव रखना कभी ठीक नहीं। मेरी राय में लडकी और लडका बराबर है। बुद्धि और क्षमता में दोनों समान है, इसलिए लडके को जो प्यार, सुविधाएँ और हक दिया जाता है, वे सब लडकियों को भी मिलना है। लडके-लडकियों के बीच भेदभाव रखना एक स्वस्थ समाज केलिए लायक नहीं है।
23. ग्यारह
24. गाना
25.
26. मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होने की
27. (ख) व्यक्ति को जानने का मतलब है उसकी हताशा को जानना।
28.

(क) व्यक्ति को जानना	नाम, पते, ओहद से जानना।
(ख) हताशा को जानना	मुसीबत, दुख-दर्द से जानना।
(ग) घायल पडे व्यक्ति को	मदद चाहिए।
(घ) मनुष्य को	मनुष्य की तरह जानना है।

(ङ) दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता की ज़रूरत है ।

SCR - 11

1. टूटे स्टूल की कील लगने से ।
2. सिर पर पट्टी बँधवाने केलिए
3.
4. निहत्थी
5. महारथी
6. शोषक वर्ग अपने अधिकार और शक्ति के ज़रिए ब्रह्मास्त्र से अकेले निरायुध व्यक्ति की असहाय आवाज़ को कुचल देना चाहते हैं । अगर उसके शस्त्रहीन हाथों में रथ का पहिया आ जाए तो वह ब्रह्मास्त्र से लड सकता है, उसका सामना कर सकता है ।
7. चार्ली चैप्लिन ने
8. चार्ली का गाना आधा ही हुआ तो स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई । तब गाना रोककर उसने पैसे बटोरने के बाद आगे गाने की घोषणा की । इस बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया ।
9.
10. कानी
11. अकाल के कारण घर की हालत इतनी बुरी थी कि किसीकेलिए खाना नहीं था । इसलिए कीडों को न मिलने से यानी भूख से परेशान होकर छिपकलियाँ दीवार पर इधर-उधर चलती थीं ।
12. अकाल के कारण घर में दाना नहीं था । इसलिए खाना पकाने कोई चूल्हा नहीं जलाता और दाना पीसने कोई चक्की के पास नहीं आता । इस कारण दोनों अपनी निर्जीव हालत पर दुखी रही ।
13. गरीबी से खेती में पिता की सहायता करने केलिए
14. वे + का = उनका
15.

पढाई छूटना पडता है ।
मोरपाल को पढाई छूटना पडता है ।
मोरपाल को **स्कूल की** पढाई छूटना पडता है ।
गरीबी से मोरपाल को स्कूल की पढाई छूटना पडता है ।

16.
17. सहायता करना
18. गरीबों **की** <u>पीडा</u> कौन **समझती** है ।
19. यह वाक्य गंगी से जोखू का कथन है । इस कथन के ज़रिए जोखू एक सामाजिक सत्य को हमारे सामने प्रस्तुत करता है । इसमें छुआछूत के भावना के विरुद्ध जोखू का आक्रोश हम सुन सकते हैं । निम्न जाति के लोगों को उच्च माननेवालों के कुएँ से पानी भरने की अनुमति नहीं थी । ये लोग उच्च वर्ग के लोगों की क्रूरता सहकर जीने को विवश थे ।
20.
21. भोपाल से निकलनेवाले एक हिंदी दैनिक का संपादन करता था ।
22. बंबई
23. (ख) अविनाश एक संपादक है ।
    (ग) अविनाश और मोहन राकेश भोपाल स्टेशन पर मिले ।
    (घ) मोहन राकेश का बिस्तर खिडकी से बाहर फेंक दिया ।
24. किताबों को
25. गरीबी के कारण बच्चे स्कूल छोडकर, खेल छोडकर माँ-बाप के साथ काम पर जाते हैं । गेंद एक खिलौना है । बचपन की खुशी से वंचित बच्चों के बारे में कवि यहाँ कहते हैं ।
26. (क) अंतरिक्ष में गेंदें गिर गईं ।
    (ख) दीमकों ने किताबों को खा लिया ।
    (ग) खिलौने पहाड के नीचे दब गए ।
    (घ) भूकंप में मदरसों की इमारतें ढह गईं ।
27. प्रतिक्रिया करनेवाली
28. घरवालों के गुठली को पराए घर की अमानत बताने के बदले उसने अपने को मेहमान कहते हुए घर के काम करने से इनकार कर लेता है । लडके केलिए ही जन्मगृह अपना है और घर का देखभाल करना उसका कर्तव्य है । ऐसा कहते हुए गुठली टिफिन-बैग उठाकर स्कूल केलिए निकलने लगा तो घरवाले सब मुँह बाए उसको देखता रहा ।

29.

SCR - 12

1. बच्चियाँ चिढाने लगीं।
2. गाँधी चौक की बालू में
3. दीपावली की छुट्टियों के बाद स्कूल खुला तो बेला के सिर पर पट्टी बाँधी थी। कोई उसे सफेद पट्टी कह रहा था तो कोई सुल्ताना डाकू तो कोई कुछ और कहकर चिढा रहा था। बेला की यह हालत देखकर साहिल परेशान हो गया।
4.
5. टूटा पहिया एक बार अभिमन्यु का काम आया था।
6. अभिमन्यु जैसे अधर्म से लडनेवाले बहुत अधिक लोग हमारे समाज में हैं। कवि ने यह उनके बारे में कहा है।
7.

अभिमन्यु घिर जाएगा।
अभिमन्यु आकर घिर जाएगा।
अभिमन्यु **अकेले** आकर घिर जाएगा।
दुस्साहसी अभिमन्यु अकेले आकर घिर जाएगा।

अथवा

महाभारत काल में पांडवों को क्षति पहुँचाने केलिए कौरवों ने कठिन चक्रव्यूह का निर्माण किया था और उस चक्रव्यूह में जब अभिमन्यु निहत्थे व अकेले थे, तब भी कौरव पक्ष के अधर्मी, अन्यायी महारथियों ने उसे मार डाला। ठीक उसी प्रकार वर्तमान समय में हमारा समाज भी कौरवों के जैसे अन्यायी, अधर्मी और दुराचारी लोगों से भरा हुआ है, जो अपनी अधार्मिक शक्तियों के माध्यम से अधर्म का विरोध करनेवाले को समाप्त करने में लगे हुए हैं।

8. चाय की दुकान में
9. स्कूल जाना और टीवी में देखे लंबे बालों वाले राष्ट्रपति कलाम जैसा बनना।
10.
11. चूल्हा, चक्की, कानी कुतिया, छिपकली, चूहा और कौआ।
12. कवि ने यहाँ अकाल के बाद की स्थिति का वर्णन किया है। अकाल के बाद घर में दाने आने पर घर के आँगन से ऊपर धुआँ उठता है। अर्थात् चूल्हा जलने लगा है। यह घर में खाने पकाने की ओर इशारा करता है। अकाल की भीषण हालत अब बदल गई है।
13.
14. पहले मैं ये पैसे बटोरूँगा और उसके बाद ही गाऊँगा
15. हम ये पैसे बटोरेंगे।
16. चार्ली का गाना सुनकर लोग पैसे फेंकने लगे तो वह गाना रोककर पैसा बटोरने लगा। मैनेजर पैसे बटोरकर बैकस्टेज जाने लगे तो शिकायत करते हुए उनके पीछे चला। वे पैसे की पोटली माँ को देने तक चार्ली वापस नहीं आया। उसके इन व्यवहारों ने जनता में गुदगुदी फैला दी। वे उसकी मासूमियत, प्रस्तुती और प्रवृत्तियों को स्वीकार कर रहे थे।
17. कुएँ से घरवालों केलिए घडे में ताज़ा पानी भरकर लाने केलिए
18. (ख) गंगी कोई आने से पेड की छाये में छिप जाती है।
    (ग) घर के मर्द औरत को आराम से बैठने नहीं देते हैं।
    (ङ) कुएँ पर चढने से गंगी को विजय का अनुभव होता है।
19.
20. आपसी विश्वास रखनेवाले हैं।
21. बर्फीले मौसम में निचले इलाकों की ओर जाते समय
22.
23. काम केलिए जानेवाले बच्चों की पंक्ति।
24. काम पर
25.
26. सहायता करना
27. (क) रास्ते पर व्यक्ति — हताशा से बैठा था।
    (ख) वे एक दूसरे को नहीं — साथ चलने को जानता था।
    (ग) मदद करने केलिए — कवि ने हाथ बढाया।
    (घ) कवि का हाथ पकडकर — वह खडा हुआ।
    (ङ) कवि व्यक्ति को नहीं — हताशा को जानता था।

SCR - 13

1. फुलेरा का स्कूल पाँचवीं तक ही था ।
2. गाँव का स्कूल पाँचवीं तक का होने से उन्हें आगे की पढाई केलिए अलग अलग स्कूलों में पढना पडेगा ।
3. (क) पाँचवीं पास होकर दोनों छठी में आए ।
   (ख) फुलेरा का स्कूल पाँचवीं तक ही था ।
   (ग) राजकीय कन्या पाठशाला में बेला को भेज देंगे ।
   (घ) अजमेर में साहिल अकेला रहकर पढेगा ।
4. अनुपयोगी मानकर त्यागनेवाले वस्तु का कभी सहारा लेना
5. टूटे पहिये की (मानवीय मूल्य की / लघु मानव की)
6. आज के इस बदलते युग में भी इतिहास की सामूहिक गति सत्य और धर्म को छोडकर असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है । तब सत्य के पक्ष,आम जनता को अधार्मिक शक्तियों के विरोध करने में तुच्छ माननेवाले इस टूटा हआ पहिया यानी मानवीय मूल्य का सहारा लेना पडेगा । इसलिए हमें टूटा पहिया रूपी मानवीय मूल्य की उपेक्षा नहीं करना चाहिए । मुसीबत के अवसर पर अभिमन्यु केलिए टूटा पहिया कैसे उपयोगी बना उसी प्रकार आम जनता केलिए मानवीय मूल्य काम आएगा ।
7. वे यूनीफॉर्म पहना करते थे ।
8. लेखक के पास अपनी पसंद से बडे शहरों के बडे बाज़ारों से खरीदे बेहतर कपडे थे । इसलिए स्कूल की नीली-खाकी यूनीफॉर्म से सदा चिढा करता था और उसे पहनना पसंद नहीं करता था ।
9. मोरपाल मिहिर का अच्छा मित्र था । वह एक गरीब परिवार का था। वह रोज़ 15 किलोमीटर साइकिल चलाकर स्कूल आता था । वह अपने घर से छाछ लाता था और वह मिहिर को देकर मिहिर का राजमा–चावल खाता था । मोरपाल रोज़ यूनीफॉर्म पहनना और स्कूल जाना पसंद करता था ।
10.
11. शिकस्त
12.

खुशी में चमक उठीं ।
आँखें खुशी में चमक उठीं ।
घर के सभी आँखें खुशी में चमक उठीं ।
घर के सभी आँखें **नए जीवन की** खुशी में चमक उठीं ।

13.
14. पाँच साल का उसका बेटा शोर मचाती इस उग्र भीड को कैसे झेल पाएगा ।
15.
16. गंगी को मालूम हुआ कि दरवाज़ा खोलकर ठाकुर आनेवाला है । इस कारण से वह डर गयी और रस्सी हाथ से छूट गई ।
17. शेर एक खूँखार जानवर है । उसके सामने से बच जाना मुश्किल है, पर असंभव नहीं । पर ठाकुर जैसे उच्च वर्ग के लोग शेर से भी अधिक क्रूर है । एक अछूत को कुएँ से पानी भरते देखें तो उसे जरूर मार ही डालेगा । गंगी यह बात अच्छी तरह से जानती थी । इसलिए जब ठाकुर का दरवाज़ा एकाएक खुलता है तो अत्यंत डर जाने से वह ऐसा सोचती है ।
18.
19. घर में सभी बच्चों को, चाहे लडका हो या लडकी, समान रूप से पालना चाहिए । बच्चों में भेद भाव दिखाना उचित नहीं ।
20. सामाजिक असमानताओं के विरुद्ध आवाज़ उठाना हरेक नागरिक का कर्तव्य है । अपने माँ–बाप एवं रिश्तेदारों को यह समझाना चाहिए कि लडका–लडकी एक समान है । सामाजिक असमानता का मुख्य कारण शिक्षा का अभाव है । सभी को शिक्षा मिलने से इस समस्या का एक हद तक हल हो जाता है ।
21.
22. सारे
23.
24. वे जानवरों के साथ-साथ कीडाजडी,करण और चुरु जैसी दुर्लभ हिमालयी जडी व औषधियाँ भी बेचते हैं ।
25. ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से पशुचारक निचले इलाकों में उतरते हैं । महीनों तक फैले चरागाहों,घने जंगलों और अनजान बस्तियों में भटकने के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है । वे गीत गाते हैं, नाचते हैं । अपने साथ उनके भेड-बकरियाँ, घोडे-खच्चर, कुत्ते भी होले हैं । रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन-देन भी होता रहता है । वे जानवरें के साथ-साथ कीडाजडी, करण और चुरु जैसी दुर्लभ हिमालयी जडी व औषधियाँ भी बेचते हैं । इन गाँवों से उनका सदियों का रिश्ता है ।

26. (ख) गर्मी होने पर पशुचारक वापस घर लोटते हैं।
(घ) आपसी विश्वास के दम पर यहाँ लेन-देन चलता है।
(ङ) ठंक के मौसम पर पशुचारक नीचे उतरता है।

SCR - 14

1. खेल घंटी के बाद का पीरियड सुरेंदर माटसाब का था।

2.

बच्चे बैठ जाते थे।
बच्चे जगहों पर बैठ जाते थे।
बच्चे **अपनी** जगहों पर बैठ जाते थे।
बच्चे अपनी जगहों पर **डर से** बैठ जाते थे।

3.
4. अभिमन्यु
5. केवल चक्रव्यूह के अंदर प्रवेश करने की विद्या जानते हुए उसके अंदर घुसने की
6. क्योंकि चक्रव्यूह को भेदकर अंदर घुसना और बाहर निकलना कठिन था, साधारण योद्धा नहीं कर सकता था।
7. कवि के अनुसार जिस चीज़ को हम फालतू समझकर फेंक देते हैं,उसका कभी उपयोग करने का मौका आ सकता है। महाभारत युद्ध में महारथियों का मुकाबला करने में रथ के टूटे हुए पहिए का सहारा लिया था। उसी प्रकार शोषण से पीडित आम जनता केलिए शासक वर्ग के अधर्म और अत्याचार के खिलाफ मानवीय मूल्य रूपी यह टूटा पहिया काम आएगा।
8. प्रसन्न हो जाना
9. अपनी गरीबी के कारण घर में राजमा खरीद नहीं सकता था। इसलिए उसे राजमा देखने या खाने का अवसर नहीं मिला था।
10.
11. खाना पकाने पर
12. घर में खाना पकाने लगा।
13. (क) घर भर की आँखें   संतुष्ट हुए।
(ख) अकाल के बाद   घर में दाने आए।
(ग) कौए ने खाने चुगने   पाँखें खुजलाईं।
(घ) आँगन से ऊपर   धुआँ उठा।
14. गाते समय चार्ली की माँ की आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल जाने से।
15. चार्ली सोचने लगा।
16. चार्ली की माँ स्टेज पर गाना गाते समय उनकी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गई। लोग म्याऊँ- म्याऊँ की आवाज़ निकालने लगे।
चार्ली को माँ का यह हाल तमाशा जैसे लगा।
17.
18. जातिप्रथा
19.
20. चैती गीतों में पांडवों की हिमालय यात्रा के किस्से और पहाडी वीरों की शौर्य गाथाएँ सम्मलित होती हैं।
21. फूलदेई त्यौहार से जुडे फूल चुनने से लेकर सामूहिक भोज बनाने तक के सारे काम बच्चे करते हैं। इसके आयोजन में बडों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित रहती है। इसलिए फूलदेई को उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में बच्चों के बडे त्यौहार मानते हैं।
22.
23. व्यक्ति की मानसिक स्थिति को वे समझ सकते थे।
24. (क) व्यक्ति कवि के हाथ बढाने को जानते थे।
(ग) कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था।
(ङ) कवि व्यक्ति को नहीं जानता था।
25. कवि के समान
26. गालिब की गज़ल
27.

SCR - 15

1. भरवाएगा
2. सोच विचार करके काम करना चाहिए।

3. ऐसा करना उचित नहीं है। अगर दुकान जाने के बाद वहाँ स्याही है, यह निश्चित कर ऐसा करें तो परवाह नहीं होता।
4. दुकान में स्याही की बोतल खाली हो गई थी। इसलिए उन्हें निराश लौटना पडा।
5. निहत्थी
6. अत्याचारी शोषकों का
7. अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
   बडे-बडे महारथी
8. बढिया चाय है।
9. काम करने केलिए।
10.

कलाम सीख जाता है।
कलाम बोली सीख जाता है।
कलाम बोली **झट से** सीख जाता है।
कलाम **विदेशी** बोली झट से सीख जाता है।

11.
12. कानी कुतिया उदास होकर चूल्हा और चक्की के पास सोई हुई थी। क्योंकि उसे कहीं से खाने को कुछ मिलने की संभावना नहीं थी।
13.
14. वह + ने = उसने
15. चार्ली ने अपनी निष्कलंकता से गीत गाकर, बातचीत करके, नृत्य करके और गायकों की नकल उतारकर सबको खुश किया। उसकी प्रस्तुति और मासूमियत से प्रभावित होकर दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाईं।
16.
17. शेर के मुँह से
18. गंगी बोलती है।
19. जोखू को मालूम था कि ठाकुर और साहू के कुएँ से पानी लेना आसानी की बात नहीं है। उसकी राय में ठाकुर लाठी मारेंगे और साहूजी एक के पाँच लेंगे। इस कारण से ही उसने गंदा पानी पीने का निश्चय किया।
20.
21. हताशा से जानना
22.
23. सामाजिक असमानता की ओर
24. (क) दीदी की शादी के कार्ड छपके आए।
    (ख) गुठली उदास हुई कार्ड पर उसका नाम नहीं था।
    (ग) घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते थे।
    (घ) माँ ने गुठली को खुश कराने उसका नाम कार्ड पर लिखा।
25. दुनिया
26. (क) बडे सबेरे बच्चे काम पर जाते हैं।
    (ग) बच्चे पढने व खेलने के अवसर से वंचित हैं।
    (ङ) बच्चों के काम करने जाना भयानक समस्या है ।
27.

SCR - 16

1. वे अलग-अलग स्कूलों में जा रहे थे।
2. प्यार
3. बेला और साहिल अगले वर्ष अलग-अलग स्कूलों में पढनेवाले हैं। वे यह सहन नहीं सकते थे। दोनों रोने लगे। इससे साहिल की आँखें लाल हो गईं।
4.
5. आठवीं के बाद उसकी स्कूल छूट जाता है।
6. मोरपाल खेत जाया करता था।
7.
8. टूटे पहिये का

SREEJITH R, KOVOOR, VARKALA SCRIPS

9. युद्ध क्षेत्र में अभिमन्यु की वीर मृत्यु होते समय उसके चारों ओर सिर्फ शत्रु पक्ष के लोग थे। यानी वहाँ अभिमन्यु के पक्ष में सच्चाई साबित करने केलिए टूटा पहिया मात्र था।
10. जब समाज के इतिहास की गति सत्य और धर्म का रास्ता छोडकर असत्य, अधर्म और अन्याय के रास्ते की ओर बढे। तब सच्चाई को टूटे पहिए यानी जीवन के मानवीय मूल्यों व लघु मानव का आश्रय लेना ही पडता है।
11.
12. चार्ली को स्टेज पर भेजने की
13. माँ रूमाल लेकर **आयीं**।
14.
15. भीत
26. दाना न पीसना
17. चूल्हे का रोना, चक्की का उदास होना, कानी कुतिया का सोता रहना, छिपकलियों की गश्त, चूहों की बुरी हालत आदि से
18. वे नीच जाति के हैं।
19. प्रकाश कुएँ पर **आने लगा**।
20. समाज में व्याप्त जाति भेद पर गंगी का आक्रोश यहाँ प्रकट है। उच्च वर्ग के ठाकुर, साहू आदि बडे अन्याय करते हैं। लेकिन उनका सब कहीं आदर होता है। अछूत असहाय होकर अत्याचार के शिकार हो रहे हैं। यह हालत तो बदल जाना ही होगा। जन्म के आधार पर किसीको नीच मानना निंदनीय अपराध है। ऊँच-नीच की भावनाओं को तोडकर एक मन से करने से ही सामाजिक उन्नति संभव है। जाति भेद मानवता व ईश्वर के प्रति अपराध है।
21.

गंगी का दिल चोटें करती है।
गंगी का दिल पाबंदियों पर चोटें करती है।
गंगी का **विद्रोही** दिल पाबंदियों पर चोटें करती है।
गंगी का विद्रोही दिल **रिवाज़ी** पाबंदियों पर चोटें करती है।

22. अपनी दीदी की
23. दीदी की शादी के कार्ड में गुठली का नाम छपा वहीं था। इससे दुखी होकर गुठली शिकायत करने और रोने लगी। तब अपना प्यार प्रकट करने केलिए माँ ने अपने हाथ से यानी कलम से गुठली का नाम कार्ड पर लिख दिया।
24. (क) परिवार में स्त्री-पुरुष समता का अभाव है।
(ग) कार्ड पर नाम न होने से गुठली रोने लगी।
(ङ) गुठली का मुँह उतर जाता है।
25. कवि ने हताश व्यक्ति की सहायता की।
26.
27. बच्चों का
28. फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का उत्सव समाप्त होता है।
29. (क) फूलदेई त्योहार बसंत ऋतु में मनाता है।
(ख) बच्चे देर शाम तक फूल चुनते हैं।
(ग) चुने गए फूल से घर की देहरियाँ सजाते हैं।
(घ) घरवाले बच्चों को दक्षिणा देते हैं।
(घ) बडों का काम सलाह देना है।

SCR - 17

1. अपमानित होना
2. बच्चे चुपचाप बैठने लगे।
3. छात्रों से अगर कोई गलती हुई तो प्यार भरी बातें कहकर उन्हें सुधारना चाहिए। गलती सुधारने में गुस्सा करना कभी ठीक नहीं है। ऐसा करने पर उस अध्यापक के प्रति हमेशा उनके मन में भय रहेगा। यह एक अच्छे अध्यापक केलिए लायक नहीं। शरारती बच्चों को भी प्यार भरी व्यवहार करके बदलना चाहिए।
4.
5. अभिमन्यु को
6. बडे-बडे
7.
8. मिहिर की

9. राजमा-चावल अमीरों का खाना है, मोरपाल तो गरीब परिवार का लडका है। अपनी गरीबी के कारण घर में राजमा खरीद नहीं सकता था। इसलिए उसे राजमा देखने या खाने का अवसर नहीं मिला था। इसलिए राजमा मोरपाल केलिए खास चीज़ थीं।
10. मोरपाल गरीब घर का लडका था। दोपहर को खाने के लिए उसके घर में छाछ के अलावा और कुछ नहीं था। इसलिए वह इतने ध्यान देकर पंद्रह किलोमीटर साइकिल चलाता स्कूल आता था कि एक बूँद छाछ भी डिब्बे से नहीं छलकाए।
11. (क) मिहिर और मोरपाल — स्कूल के दोस्त थे।
    (ख) मिहिर और मोरपाल के बीच — खाने की अदला-बदल होती थी।
    (ग) मिहिर राजमा-चावल — टिफिन में लाता था।
    (घ) मोरपाल अपने घर से — छाछ लाता था।
    (ङ) मिहिर केलिए राजमा — साधारण-सी चीज़ थी।
12. धुआँ
13. घर में अनाज आए, चूल्हा जला, कौए ने पंख खुजलाई, दाने आने पर घर के सब लोगों की आँखें खुशी से चमक उठीं।
14.
15. जैक जोन्स
16. पैसों की वर्षा होने लगी
17.

धुएँ उडते हुए छल्लों के बीच	चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया।
चार्ली ने बीच में गाना रोक दिया	पैसा बटोरने की घोषणा की।
गाना आधा ही हुआ था	स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई।
मैनेजर एक रूमाल लेकर आया	पैसे बटोरने लगे।

18. पानी लेने केलिए
19. पाबंदी
20. यह प्रसंग जातीय असमानता की समस्या की ओर संकेत करता है। मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। जाति के नाम पर लोगों को उच्च और निम्न मानना अन्याय है। जातीय असमानता एक सामाजिक अभिशाप है। यह सामाजिक विकास में बडा बाधा उत्पन्न करती है। सभी लोगों को अच्छी शिक्षा मिलने पर एक हद तक यह समस्या दूर हो जाएगी। लेकिन आज भी हमारे देश में जाति के नाम पर हमले होते हैं, हत्या तक होती है। मुंशी प्रेमचंद अपनी कहानी ठाकुर का कुआँ में गंगी नामक पात्र के द्वारा जातीय असमानता के खिलाफ अपना विचार प्रस्तुत करते हैं।
21. क्योंकि वे कोई योजना के बिना ही यात्रा के लिए निकल जाते हैं।
22. नौकरी छोड देने की वजह से हाथ में पैसा आने के कारण
23.

मैंने यात्रा करना तय किया।
मैंने तट के साथ यात्रा करना तय किया।
मैंने समुद्र तट के साथ यात्रा करना तय किया।
मैंने समुद्र तट के साथ लंबी यात्रा करना तय किया।

24. उसकी मुसीबतों को पहचानना
25. (ख) यह कविता जानना की परंपरागत अर्थ को बदल देती है।
    (ग) कविता की अधिकांश पंक्तियाँ पहली दो पंक्तियों का अनुकरण करती हैं।
    (ङ) मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होना आवश्यक है।
26.
27. लडकी को
28. यह + पर = इसपर
29.

SCR - 18

1. उनका स्कूल पाँचवीं तक ही था।
2. बेला अब तुम कहाँ पढोगी ?
3. साहिल और बेला फुलेरा के जिस स्कूल में पढते हैं वह पाँचवीं तक का है। इसलिए पाँचवीं पास हुए साहिल और बेला को आगे की पढाई केलिए दूसरे स्कूल में जाना पडता है।
4.
5. वे कलाम के घर की तलाशी लेने आते समय वहाँ कुँवर रणविजय की चीज़ों को पाने से।

6. वह अपनी चिट्ठी सीधे अपने हमनाम डॉ. कलाम को दिल्ली जाकर खुद देगा।
7. राणा सा के कारिंदे कलाम पर चोरी का आरोप लगाने पर भी मित्र रणविजय से की दोस्ती का प्रण न तोडने केलिए वह उसको सह लेता है। रणविजय को राणा से उससे की दोस्ती की सज़ा मिलने से बचाने केलिए वह ऐसा करता है। अभावों में रहने पर भी कलाम दोस्ती को ऊँचा स्थान देनेवाला होने से लेखक ऐसा कहते हैं।
8.
9. सामान्य मानव
10. गलत साबित होना
11.
12. जब माँ चार्ली को लेने स्टेज पर आ गई तब
13. पाँच वर्षीय बालक चार्ली ने अपनी मासूमियत से गीत गाकर, बातचीत करके, नृत्य करके और गायकों की नकल उतारकर चिल्लाते दर्शकों को अपने वश में लाया। उसने जनता में गुदगुदी फैला दी। इसलिए दर्शकों ने तालियाँ बजाकर माँ का स्वागत किया।
14.

लोगों में ठहाकों की हिस्सेदारी हुई	स्टेज पर जमकर पैसे बरसे।
अंत में माँ उसे लेने आई	दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाईं।
कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाया	उसके छोटे बच्चे की तारीफ की।
चार्ली स्टेज पर पहली बार आया	माँ आखिरी बार आयीं।

15.
छिपकलियाँ
16. (ख) कीडों की तलाश में छिपकलियाँ इधर-उधर चलती थीं।
(ग) खाने की खोज करके चूहे हार गए थे।
(ङ) चूल्हा और चक्की अपनी निर्जीव हालत पर दुखी रहती हैं।
17. क्योंकि वे नीच जाति के हैं।
18. अवसर की प्रतीक्षा करना
19.
20. समाज में स्त्री-पुरुष में समता का अभाव है।
21. खराब वातावरण पैदा करना
22. लडका-लडकी के बीच भेदभाव रखना ठीक नहीं है। बुद्धि और क्षमता में दोनों बराबर है। इसलिए परिवार में लडके को मिलती स्वतंत्रता, प्यार, हक, देख-रेख लडकी को भी मिलना चाहिए। दोनों को समान मानना ही एक स्वस्थ समाज केलिए हितकर होगा।
23.
24. बच्चों के खेलने की जगहों के रूप में
25. बच्चों के पढने और खेलने की चीज़ें
26 काम पर जाने से बच्चे रंग-बिरंगी किताबें, खिलौने, हँसी-खेल की दुनिया, पढाई का संसार आदि से वंचित होते हैं। ऐसे उन्हें इस दुनिया में कुछ भी बचा नहीं। इसलिए कवि के मत में इन बातों को मामूली प्रथा या कायदा मानना इससे भी भयानक है।
26. विनोद कुमार शुक्ल
27. <u>महिला</u> बैठ **रही थी**।
28. व्यक्ति को मैं नहीं जानता था - कवि व्यक्ति को उसके नाम, पता, उम्र, ओहदा, जाति आदि से नहीं जानते हैं।
हताशा को जानता था - कवि व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या संकट से जानते हैं।
29.

व्यक्ति की मदद करनी चाहिए।
सडक पर पडे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए।
सडक पर पडे अपरिचित व्यक्ति की मदद करनी चाहिए।
सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति की मदद करनी चाहिए।